प्रश्न–पत्र ब्लूप्रिन्ट
BLUE PRINT OF QUESTION PAPER
परीक्षा : हायर सेकण्डरी

कक्षा :– XI **पूर्णांक :– 100**

विषय :– राजनीति शास्त्र **समय : 3 घण्टे**

स. क्र.	इकाई	इकाई पर आवंटित अंक	वस्तुनिष्ठ प्रश्न	अंकवार प्रश्नों की संख्या			कुल प्रश्न
			1 अंक	4 अंक	5 अंक	6 अंक	
1.	राजनैतिक चिंतन का विकास	15	5	1	–	1	2
2.	राज्य	08	4	1	–	–	1
3.	नागरिकता	08	3	–	1	–	1
4.	संविधान	06	1	–	1	–	1
5.	शासन के प्रकार	08	3	–	1	–	1
6.	भारतीय शासन व्यवस्था	15	–	1	1	1	3
7.	स्थानीय शासन	12	3	1	1	–	2
8.	दलीय व्यवस्था	08	4	1	–	–	1
9.	मताधिकार एवं मतदान प्रणाली	10	1	1	1	–	2
10.	लोकमत	10	1	1	1	–	2
	योग =	**100**	**(25)=5**	**07**	**07**	**02**	**16+5 =21**

निर्देश :–

1. प्रश्न क्रमांक 1 से 5 तक वस्तुनिष्ठ प्रश्न होगें जिसके अन्तर्गत रिक्त स्थानों की पूर्ति, एक शब्द में उत्तर, मेचिंग, सही विकल्प तथा सत्य असत्य का चयन आदि के प्रश्न होगें। प्रत्येक प्रश्न में 5 अंक निर्धारित है।
2. वस्तुनिष्ठ प्रश्नों को छोड़कर सभी प्रश्नों में विकल्प का प्रावधान रखा जाये। यह विकल्प समान इकाई से तथा यथा संभव समान कठिनाई स्तर वाले होने चाहिए।
3. कठिनाई स्तर – 40% सरल प्रश्न, 45% सामान्य प्रश्न, 15% कठिन प्रश्न

आदर्श प्रश्न-पत्र

विषय - राजनीति विज्ञान

कक्षा – XI

समय : 3 घण्टे **पूर्णांक–100**

निर्देश :–

(1) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

(2) प्रश्न क्रमांक 1 से 5 वस्तुनिष्ठ प्रश्न है। प्रत्येक प्रश्न में **5 अंक** निर्धारित है।

(3) प्रश्न क्रमांक 6 से 12 तक लघुउत्तरीय प्रश्न है। प्रत्येक प्रश्न पर **4 अंक** निर्धारित है।

(4) प्रश्न क्रमांक 13 से 19 तक दीर्घउत्तरीय प्रश्न है। प्रत्येक प्रश्न पर **5 अंक** निर्धारित है।

(5) प्रश्न क्रमांक 20 एवं 21 निबन्धात्मक प्रश्न है। प्रत्येक प्रश्न के लिए **6 अंक** निर्धारित है।

(6) प्रश्न क्रमांक 6 से 21 में आन्तरिक विकल्प का प्रावधान है।

प्रश्न 1. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए –

(अ) सभी वेदों में प्राचीनतम वेद का नाम ..... है

(ब) मानव अधिकार दिवस प्रति वर्ष ..... के दिन मनाया जाता है।

(स) एकात्मक राज्य में ..... नागारिकता होती है।

(द) भारतीय जनता पार्टी का चुनाव चिन्ह ..... है।

(इ) ग्राम स्तर पर ..... पंचायत होती है।

प्रश्न 2. जोड़ी बनाइये–

(अ) द्वितीय महाकाव्य	(1) भारत
(ब) राज्य	(2) महाभारत
(स) लिखित संविधान	(3) स्टेट
(द) भारत में मताधिकार की आयु	(4) राष्ट्रीय दल
(इ) कांग्रेस	(5) 18 वर्ष

प्रश्न 3. सही विकल्प चुनिए–

(अ) पालिस शब्द का क्या अर्थ है–

(i) सरकार

(ii) नगर – राज्य

(iii) भूमि

(iv) संविधान

(ब) राज्य का सर्वाधिक महत्वपूर्ण तत्व है–

(i) सम्प्रभुता

(ii) सरकार

(iii) जनसंख्या

(iv) भूमि

(स) मानव अधिकारों के घोषणा पत्र में कितने अनुच्छेद है।

(i) 30

(ii) 395

(iii) 25

(iv) 300

(द) संसदीय शासन प्रणाली में कार्यपालिका का कार्यकाल कैसा होता है।

(i) अनिश्चित

(ii) निश्चित

(iii) स्थायी

(iv) अस्थायी

(इ) प्रजातन्त्र की आधार शिला है।

(i) समाज

(ii) राज्य

(iii) राजनीतिक दल

(iv) पंचायत

प्रश्न 4. एक शब्द में उत्तर लिखिए।

(अ) 'राजनीति विज्ञान का आरम्भ और अन्त राज्य से होता है।' विचारक का नाम लिखिए।

(ब) सबके लिए समान अवसर प्रदान करना, अमीरों और गरीबों के बीच के अन्तर को मिटाना/लोक कल्याणकारी राज्य का आधार भूत तत्व है। किसने कहा है।

(स) 'मानव स्वतन्त्र जन्मा है परन्तु वह सर्वत्र जंजीरों से जकड़ा है–यह कथन किसका है।

(द) नगर निगम का कार्यकाल कितने वर्ष का है।

(इ) बलवन्त राय मेहता समिति का गठन किस वर्ष किया गया है।

प्रश्न 5. सत्य–असत्य पर सही का चिन्ह लगाइये।

(अ) लिबर्टी शब्द लैटिन भाषा में 'लिबर' शब्द से बना है। सत्य/असत्य

(ब) मुद्रा एवं बैकिंग राज्य का एच्छिक कार्य है। सत्य/असत्य

(स) संघात्मक शासन प्रणाली में दोहरी सरकारें होती हैं। सत्य/असत्य

(द) वह मत वास्तव में लोकमत है, जो जन–कल्याण की भावना से प्रेरित होता है। सत्य/असत्य

(इ) भारत में द्विदलीय व्यवस्था है। सत्य/असत्य

प्रश्न 6. राजनीति विज्ञान में क्षेत्र का वर्णन लिखिए।

'अथवा'

राजनीति विज्ञान के अध्ययन का महत्व लिखिए।

प्रश्न 7. राज्य के एच्छिक कार्य कोई चार लिखिए।

'अथवा'

राज्य के अनिवार्य कार्य कोई चार लिखिए।

प्रश्न 8. लोक सभा के सदस्यों के लिए योग्यताएँ लिखिए।

'अथवा'

राज्य सभा के सदस्यों के लिए योग्यताएँ लिखिए।

प्रश्न 9. ग्राम पंचायत के कार्य लिखिए।

'अथवा'

जिला पंचायत के कार्य लिखिए।

प्रश्न 10. राजनीतिक दल का अर्थ एवं परिभाषा लिखिए।

'अथवा'

राजनीतिक दलों के कार्य लिखिए।

प्रश्न 11. सार्वभौमिक वयस्क मताधिकार से आप क्या समझते है लिखिए।

'अथवा'

प्रत्यक्ष मतदान प्रणाली से आप क्या समझते है लिखिए।

प्रश्न 12. जनमत निर्माण के साधन लिखिए।

'अथवा'

स्वस्थ जनमत के निर्माण में बाधाएँ लिखिए।

प्रश्न 13. नागरिकता प्राप्त करने की शर्ते लिखिए।

'अथवा'

नागरिकता खोने के तरीके लिखिए।

प्रश्न 14. लिखित संविधान के गुण लिखिए।

'अथवा'

लिखित संविधान के दोष लिखिए।

प्रश्न 15. एकात्मक सरकार की विशेषतायें लिखिए।

'अथवा'

संघात्मक सरकार की विशेषतायें लिखिए।

प्रश्न 16. राष्ट्रपति की महाभियोग प्रक्रिया को लिखिए।

'अथवा'

राष्ट्रपति की संकटकालीन शक्तियां लिखिए।

प्रश्न 17. नगर निगम का गठन एंव कार्य लिखिए।

'अथवा'

नगर पालिका का गठन एवं कार्य लिखिए।

प्रश्न 18. भारतीय निर्वाचन आयोग की कार्य एवं शक्तियां लिखिए।

'अथवा'

भारतीय निर्वाचन प्रणाली के गुण या विशेषताएं लिखिए।

प्रश्न 19. लोकमत निर्माण हेतु आवश्यक शर्तें लिखिए।

'अथवा'

लोकमत का अर्थ एवं दो परिभाषायें लिखिए।

प्रश्न 20. स्वतन्त्रता के प्रकार लिखिए।

'अथवा'

समानता के प्रकार लिखिए।

प्रश्न 21. भारत में मंत्रिपरिषद की शक्तियां एवं कार्य लिखिए।

'अथवा'

प्रधानमंत्री की शक्तियां एवं कार्य लिखिए।

आदर्श उत्तर

विषय - राजनीति विज्ञान

कक्षा – XI

समय : 3 घण्टे **पूर्णांक–100**

उत्तर 1. (अ) ऋग्वेद

(ब) 10 दिसम्बर

(स) इकहरी

(द) कमल

(इ) ग्राम

उत्तर 2. (अ) (ii) महाभारत

(ब) (iii) स्टेट

(स) (i) भारत

(द) (v) 18 वर्ष

(इ) (iv) राष्ट्रीय दल

उत्तर 3. (अ) (ii) नगर–राज्य

(ब) (i) समप्रभुता

(स) (i) 30

(द) (i) अनिश्चित

(इ) (iii) राजनीतिक दल

उत्तर 4. (अ) गार्नर

(ब) पॅ0 जवाहर लाल नेहरू

(स) रूसो

(द) 5 वर्ष

(इ) 1956

उत्तर 5. (अ) सत्य

(ब) असत्य

(स) सत्य

(द) सत्य

(इ) असत्य

उत्तर 6. राजनीति विज्ञान के अध्ययन क्षेत्र में निम्न बातें आती हैं।

(1) राज्य का अध्ययनः– राजनीति विज्ञान में राज्य के भूतकाल, वर्तमान काल एवं भविष्य काल में राज्य का स्वरूप कैसा होना चाहिए।

(2) सरकार का अध्ययनः– राज्य के चार आधारभूत तत्वों में से एक तत्व सरकार भी है सरकार के बिना राज्य का अस्तित्व नहीं हैं।

(3) स्थानीय राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय समस्याओं का अध्ययनः– स्थानीय, राष्ट्रीय, अन्तर्राष्ट्रीय समस्याओं का अध्ययन एवं समाधान राजनीति विज्ञान के क्षेत्र में ही आता है।

(4) समुदायों और संस्थाओं का अध्ययनः– मानवीय आवश्यकताओं की पूर्ति के लिये समुदायों एवं संस्थाओं की आवश्यकता होती है।

'अथवा'

उत्तर– राजनीति विज्ञान के अध्ययन का महत्व मुख्य रूप से निम्नलिखित है –

(1) मानव अधिकारों व कर्त्तव्यों का ज्ञान :– राजनीति विज्ञान मानव को अधिकार एवं कर्त्तव्यों का ज्ञान प्रदान कर उसे समाज में श्रेष्ठतम इकाई के रूप में जीवन व्यतीत करने के लिए प्रेरित करता है।

(2) राजनीतिक विचारधारा का ज्ञान :– राजनीतिक विचार धारायें सदैव ही महान प्रेरक शक्तियों में से एक है और आज भी है।

(3) राजनीतिक जीवन व संविधान का ज्ञान :– व्यक्ति को विविध देशों के संविधान का ज्ञान कराता है। राजनीतिक व्यवस्था कौन सी उपयोगी है इसका ज्ञान राजनीति विज्ञान से होता है।

(4) अन्तर्राष्ट्रीय संबंधो का ज्ञान :– आधुनिक युग में नागरिकों को अन्तर्राष्ट्रीय संबधों का ज्ञान अति आवश्यक है।

उत्तर 7. राज्य के एच्छिक कार्यः–

(1) शिक्षा की व्यवस्थाः– मानव उन्नति और विकास में शिक्षा का प्रमुख और महत्वपूर्ण योगदान रहता है। राज्य अपने नागरिकों को निःशुल्क और अनिवार्य शिक्षा की व्यवस्था कराता है।

(2) सार्वजनिक स्वास्थ्यः– राज्य द्वारा अपने नागरिकों के लिए स्वास्थ्य की रक्षा एवं महामारी और अन्य बीमारियों की रोकधाम के लिए सार्वजनिक चिकित्साल्यों की स्थापना की जाती है।

(3) कृषि की उन्नति :– कृषकों को उत्तंम बीज, खाद और सिंचाई के साधनों की व्यवस्था कराता है।

(4) सामाजिक सुरक्षा :– सामाजिक कुरीतियों से समाज को मुक्त कराना भी राज्य का एच्छिक कार्य है।

'अथवा'

राज्य में अनिवार्य कार्यः–

(1) बाहरी आक्रमण से रक्षा :– बाह्य आक्रमण से अपनी सीमाओं की सुरक्षा करना राज्य का अनिवार्य कार्य है।

(2) आन्तरिक शान्ति व्यवस्था :– राज्य में शान्ति की स्थापना करना एवं सुचारू रूप से कानून का पालन करवाना राज्य का अनिवार्य कार्य है।

(3) न्याय व्यवस्था :–कानून का उल्लघंन करने वालों को दण्ड देकर न्याय दिलवाना राज्य का अनिवार्य कार्य है।

(4) संचार एवं यातायात की व्यवस्था :–राज्य में डाक, तार, टेलीफोन, रेडियों, दूरदर्शन, रेल, सड़क आदि भी राज्य का अनिवार्य कार्य है।

उत्तर 8. लोकसभा के सदस्यों के लिये योग्यताएँ –

(1) वह भारत का नागरिक हो।

(2) उसकी आयु न्युनतम 25 वर्ष हो।

(3) किसी लाभ के पद पर न हो।

(4) पागल दिवालिया न हो।

(5) संसद द्वारा निर्धारित अन्य योग्यता रखता हो।

'अथवा'

उत्तर– राज्य सभा के सदस्यों के लिये योग्यताएँ –

(1) वह भारत का नागरिक हो।

(2) उसकी आयु 30 वर्ष हो।

(3) किसी लाभ के पद पर न हो।

(4) पागल दिवालिया न हो।

(5) संसद द्वारा निर्धारित अन्य योग्यता रखता हो।

उत्तर 9. ग्राम पंचायत के कार्य –

(1) कृषि का विस्तार करना एवं अच्छे बीज उपलब्ध कराना।

(2) पशुपालन की व्यवस्था करना।

(3) मतस्य पालन करवाना।

(4) कुटीर उद्योगों को बढ़ावा देना।

(5) सड़क और भवनों का रखरखाव करना।

(6) साक्षरता कार्यक्रम को बढ़ावा देना।

(7) प्रौढ़ शिक्षा कार्यक्रम को प्रोत्साहित करना।

(8) ग्रामीण स्वच्छता के लिए समय–समय पर ध्यान देना।

'अथवा'

उत्तर – जिला पंचायत के कार्य–

(1) जिले के आर्थिक विकास और सामाजिक न्याय की स्थापना के लिए योजनाएँ बनाना।

(2) सिंचाई की व्यवस्था करना।

(3) मुद्रा संरक्षण।

(4) घरेलु और कुटीर उद्योग को प्रोत्साहन करना।

(5) सड़कों और भवनों का रखरखाव करना।

(6) कमजोर वर्गो का कल्याण करना।

उत्तर 10. राजनीति दल का अर्थ :– राजनीतक दल ऐसे व्यक्तियों का समूह है जो कुछ समस्याओं के रूप और उनके समाधान के संबंध में एकमत है और जिन्होने सामान्य उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए मिलकर वैध ढ़ंग से काम करने का निश्चय कर लिया है।

परिभाषा :– गिल क्राइस्ट :– ''राजनीतिक दल नागारिकों के उस संगठित समुदाय को कहते हैं जिसके सदस्य समान राजनीतिक विचार रखते है और जो एक राजनीतिक इकाई के रूप में कार्य करते हुए शासन को अपने हाथ में रखने की चेष्टा करते है।''

'अथवा''

उत्तर– राजनीतिक दलों के कार्य–

(1) सार्वजनिक नीतियों का निर्धारणः– राजनीतिक दल जनता के समर्थन के लिए अपनी नीतियों का प्रचार–प्रसार करते है।

(2) शासन का संचालन :– राजनीतिक दल चुनावों में बहुमत प्राप्त करके सरकार का निर्माण करते है। अपने दल में से ही मंत्री नियुक्त करते है।

(3) राजनीतिक प्रशिक्षण :–नागरिकों में राजनीतिक चेतना जागृत करना एवं प्रशिक्षण देने का कार्य करता है।

(4) शाासन तथा जनता के बीच मध्यस्थ का कार्य :– राजनीतिक दल एक ऐसा पुल का कार्य करते है जिसका एक छोर समाज को छूता है और दूसरा छोर राज्य को छूता है।

(5) चुनावों का संचालन :–चुनाव के समय अपने चुनाव घोषणा पत्र तैयार करना एवं प्रचार करना, प्रत्याशियों को खड़ा करना आदि कार्य राजनीतिक दल करते है।

उत्तर 11. सार्वभौमिक वयस्क मताधिकार :–

समस्त वयस्क नागरिकों को जाति, धर्म, सम्प्रदाय, वंश, शिक्षा, लिंग आदि के भेदभाव के बिना उसकी वयस्कता के आधार पर मताधिकार प्राप्त होगा उसे ही सर्वभौमिक वयस्क मताधिकार कहते है।

'अथवा'

उत्तर– प्रत्यक्ष मतदान प्रणाली :– इस प्रणाली में मतदाता प्रत्यक्ष रूप से अपने मत का प्रयोग कर प्रतिनिधियों का निर्वाचन करते है। भारत में ग्राम पंचायत, नगरपालिका, नगरनिगम, विधानसभा, लोकसभा के सदस्यों का निर्वाचन प्रत्यक्ष मतदान प्रणाली से होता है।

उत्तर 12. जनमत निर्माण के साधन :–

(1) प्रेस :– लोकमत निर्माण और उसे अभिव्यक्त करने का सबसे महत्वपूर्ण साधन प्रेस के अन्तर्गत समाचार पत्र, पत्रिकाएँ आदि हैं।

(2) सार्वजनिक सभाएँ :– लोकमत निर्माण में सार्वजनिक सभाओं में दिए गये भाषणों का भी महत्वपूर्ण स्थान होता है।

(3) शिक्षण संस्थाएँ :– स्कूल, कॉलेज और विश्वविद्यालय जैसी शिक्षण संस्थाऐं भी लोकमत निर्माण में महत्वपूर्ण रूप से भाग लेती है।

(4) रेडियों, चल चित्र और दूरदर्शन :– ये केवल मनोरजंन के साधन नही हैं बल्कि लोकमत निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते है।

'अथवा'

उत्तर– जनमत निर्माण में बाधाएँ :–

(1) अज्ञानता व अशिक्षा :– मुख्य बाधा जनमत में अज्ञानता व अशिक्षा है।

(2) साम्प्रदायिकता :– वर्गवाद, जातिवाद लोकमत निर्माण में बाधा करते है।

(3) समय का अभाव :– कुछ लोग अपने –अपने कार्यो में इतने व्यस्त रहते है कि सार्वजनिक कार्यो में भाग लेने के अवसर ही नही मिलते है।

(4) दरिद्रता :– गरीबी भी लोकमत निर्माण में बाधा उपस्थित करती है।

(5) दलों के निर्माण का साम्प्रदायिक आधार :– लोकमत में दलों का निर्माण बाधा उपस्थित करते है।

उत्तर 13. नागरिकता प्राप्त करने की शर्ते :–

(1) रक्त संबंधो के आधार पर :– इस नियम के अनुसार बच्चे को वही नागरिकता प्राप्त होती है। जो उसके माँ–बाप की है चाहे उस बच्चे का जन्म किसी भी देश में या राज्य के क्षेत्र में क्यों न हो।

(2) जन्म स्थान के आधार पर :– जन्म के आधार पर नागरिकता प्राप्त की जाती है।

(3) विवाह द्वारा :– विवाह द्वारा भी नागरिकता प्राप्त होती है।

'अथवा'

उत्तर– नागरिकता खोने के तरीके :–

(1) नये राज्य की नागरिकता ग्रहण करने पर :–

(2) कोई भी स्त्री किसी दूसरे देश के नागरिक से विवाह कर पहले देश की नागरिकता खो देती है।

(3) किसी दूसरे देश की सरकार के अन्तर्गत नौकरी करने पर भी व्यक्ति अपनी पहली नागरिकता खो देता है।

(4) कोई व्यक्ति स्वेच्छा से अपनी नागरिकता का त्याग कर सकता है।

(5) राज्य द्वारा निर्धारित कर्त्तव्यों का पालन नहीं करने पर भी नागरिकता का लोप हो जाता है।

उत्तर 14. लिखित संविधान के गुण :–

(1) संघीय राज्यों के लिये उपयुक्त होता हैं, लिखित संविधान क्योकि लिखित संविधान संघीय राज्यों के लिए एक अनिवार्य शर्त है।

(2) नागारिक अधिकारों की सुरक्षा लिखित संविधान से होती है।

(3) लिखित संविधान स्पष्ट और निश्चित होता है।

(4) लिखित संविधान बहुत सोच समझकर बनाया जाता हैं अतः यह एक पवित्र लेख माना जाता है।

'अथवा'

उत्तर– लिखित संविधान के दोष :–

(1) विकास की दृष्टि से अनुपयुक्त :– लिखित संविधान द्वारा किसी देश का राजनीतिक जीवन प्रायः निश्चित कर दिया जाता है।

(2) क्रान्ति की सम्भावना :– संविधान में संशोधन कराने के लिए क्रान्ति का सहारा लेगी। अतः इस संविधान में क्रान्ति की सम्भावना अधिक है।

(3) संकटकाल के लिए अनुपयुक्त :– संकटकाल में शीघ्र निर्णय लेने की आवश्यकता होती है किन्तु लिखित संविधान में सम्भव नही है।

(4) अधिकारों की रक्षा के लिए आवश्यक नहीं है। लिखित संविधान की अपेक्षा जन–भावना पर अधिक निर्भर करती है।

उत्तर 15. एकात्मक सरकार की विशेषतायें :–

(1) सम्पूर्ण शक्ति केन्द्र में निहित :– कानून बनाने की सर्वोच्च शक्ति केन्द्र को ही प्राप्त है।

(2) इकहरी नागरिकता :– एकात्मक सरकार में सभी नागरिकों के लिए एक ही नागरिकता प्रदान की जाती है।

(3) संविधान में परिवर्तन शीलता :– एकात्मक सरकार में संविधान परिवर्तन शील होते है।

(4) न्यायपालिका की सर्वोच्चता :– एकात्मक सरकार में कानून को लेकर न्यायपालिका सर्वोच्च होती है।

(5) एकल प्रशासन :– सम्पूर्ण शक्ति केन्द्र के पास होती है।

'अथवा'

उत्तर– संघात्मक सरकार की विशेषतायें :–

(1) दोहरी सरकारें :– संघात्मक सरकार में दोहरी सरकार होती है। 1. केन्द्र की 2. राज्य की

(2) शक्तियों का वितरण :– संधात्मक सरकार में शक्तियों का वितरण केन्द्र एवं राज्य के मध्य होती है।

(3) दोहरी नागरिकता :– सधात्मक सरकार में नागरिकता दोहरी होती है। एक केन्द्र की दूसरी राज्य की।

(4) द्विसदनीय व्यवस्थापिका :– संघात्मक शासन में व्यवस्थापिका द्विसदनीय होती है। प्रथम सदन एंव द्वितीय सदन।

उत्तर 16. राष्ट्रपति की महाभियोग प्रक्रिया :–

राष्ट्रपति को उसके पद से हटाने के लिये महाभियोग प्रक्रिया को अपनाया जाता है। महाभियोग का प्रस्ताव संसद के किसी भी सदन में प्रस्तुत किया जा सकता है। प्रस्ताव की सूचना 14 दिन पूर्व दे दी जाती है। प्रत्येक सदन का विशिष्ट बहुमत आवश्यक है। बहुमत सिद्ध होने पर राष्ट्रपति को अपने पद से त्याग पत्र देना होता है।

'अथवा'

उत्तर– राष्ट्रपति की संकट कालीन शक्तियां :–

राष्ट्रपति निम्नलिखित समय में संकटकाल की घोषणा कर सकता है।

(1) अनुच्छेद 352 के अन्तर्गत यदि कोई बाहरी देश आक्रमण करने वाला हो।

(2) अनुच्छेद 356 के अन्तर्गत यदि राज्य में संवैधानिक तन्त्र की विफलता हो रही हो।

(3) अनुच्छेद 360 के अन्तर्गत यदि राज्य में वित्तीय संकट उत्पन्न हो गया है।

उत्तर 17. नगर निगम का गठन एवं कार्य :–

नगरीय क्षेत्रों में नगर निगमों की व्यवस्था है। इन नगर–निगमों के एक समान संगठन और कार्य प्रणाली है। प्रत्येक नगर–निगम में न्यूनतम 40 और अधिकतम 70 सदस्य हो सकते हैं। **कार्य –**

(1) सार्वजनिक स्वच्छता का कार्य महत्वपूर्ण है।

(2) पेयजल की व्यवस्था करना।

(3) सार्वजनिक स्वास्थ्य विकास करना।

(4) प्रकाश की समुचित व्यवस्था करना।

(5) शिक्षा व्यवस्था को संचालित करवाना।

'अथवा'

उत्तर– नगर–पालिका का गठन एवं कार्य :–

74 वें संविधान संशोधन के आधार पर नगर–पालिका के अध्यक्ष का निर्वाचन प्रत्यक्ष निर्वाचन प्रणाली द्वारा होता है। प्रत्येक बोर्ड में एक पार्षद होता है। प्रत्येक नगरीय निकाय में अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के लिए स्थान आरक्षित रहते है। इनका कार्यकाल 5 वर्ष होता है।

कार्य –

(1) नागरिकों के स्वास्थ्य की देखभाल करना।

(2) शैक्षणिक विज्ञान के लिये कार्य करना।

(3) जीवन व सम्पत्ति की सुरक्षा करना।

(4) सार्वजनिक हित के लिए समय–समय पर कार्य करना।

(5) मार्गों का नामांकरण करना।

उत्तर 18. भारतीय निर्वाचन आयोग की कार्य एवं शक्तियां –

(1) मतदाता सूची तैयार करना :– मतदाता सूची का मुद्रण एवं प्रकाशन करवाना नये मतदाता के नाम लिखना।

(2) राष्ट्रपति उपराष्ट्रपति का चुनाव :– निर्वाचन आयोग राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति के चुनाव करवाते है।

(3) चुनाव कार्यक्रम निर्धारित करना :– मतदान की तिथि, नामांकन भरना, नाम वापिसी आदि चुनाव कार्यक्रम निश्चित करना।

(4) राजनैतिक दलों को मान्यता देना :– निर्वाचन आयोग राजनैतिक दलों को मान्यता देते है।

(5) चुनाव चिन्हों का आवंटन करने का कार्य भी निर्वाचन आयोग के द्वारा होता है।

'अथवा'

उत्तर– भारतीय निर्वाचन प्रणाली की विशेषतायें :–

(1) वयस्क सार्वभौमिक मताधिकार :– भारत में मताधिकार के लिए वयस्कता के आधार पर मतदान होता है।

(2) एक सदस्यी निर्वाचन क्षेत्र :– भारत में निर्वाचन के लिए एक सदस्यी निर्वाचन क्षेत्रों की व्यवस्था है। प्रत्येक निर्वाचन क्षेत्र से सर्वाधिक मत प्राप्त करने वाला एक प्रतिनिधि निर्वाचित घोषित किया जाता है।

(3) स्थानों का आरक्षण :– अनुसूचित जाति जनजाति पिछड़ा वर्ग के लिए विधानसभा, लोकसभा में स्थान आरक्षित किये जाते हैं।

(4) एच्छिक एवं गुप्त मतदान होता है।

(5) निर्वाचन आयोग :– भारत में निर्वाचन व्यवस्था सुचारू रूप से चले उसके लिए एक निर्वाचन आयोग होता है।

उत्तर 19. लोकमत निर्माण हेतु आवश्यक शर्तें :–

(1) शिक्षित जनता का होना आवश्यक है।

(2) लोकमत के निर्माण हेतु सामाजिक सुव्यवस्था का होना आवश्यक है।

(3) लोकमत निर्माण हेतु गरीबी को दूर करना आवश्यक है जिससे जनता को आवश्यक सुख सुविधा प्राप्त हो सके।

(4) निष्पक्ष समाचार पत्र का होना लोकमत के लिए अत्यन्त आवश्यक है।

(5) विचारों की व्यापकता भी लोकमत निर्माण हेतु आवश्यक है।

(6) शांतिमय वातावरण लोकमत निर्माण हेतु आवश्यक है।

'अथवा'

उत्तर– लोकमत का अर्थ :–

'लोक' और 'मत' दो शब्दों के संयोग से बना है जिसमें लोक का अर्थ जनता, मत का अर्थ विचार से है। इस प्रकार लोकमत का अर्थ है, 'जनता का विचार'।

डॉ0 बेनी प्रसाद – ''वह मत वास्तव में लोकमत है, जो जन–कल्याण की भावना से प्रेरित होता है।''

विलोबी – ''लोकमत उन व्यक्तियों के विचारों का परिणाम होता है, जो सामान्य हितों के विषयों से संबंधित निर्णय की ओर अग्रसर होते हैं।''

उत्तर 20. स्वतन्त्रता के प्रकार :–

(1) प्राकृतिक स्वतन्त्रता :– इसका आशय मनुष्य की जन्मजात स्वतन्त्रता से है। इसका अर्थ यह होगा कि व्यक्ति अपनी स्वतन्त्रता के लिए राज्य पर निर्भर नहीं है। इसलिये राज्य को व्यक्ति की स्वतन्त्रता को परिसीमित करने का अधिकार नहीं है।

(2) नागरिक स्वतन्त्रता :– इसका आशय व्यक्ति की उस स्वतन्त्रता से है जो उसे राज्य के सदस्य के रूप में प्राप्त होती है। इस प्रकार की स्वतन्त्रता की राज्य द्वारा गारण्टी दी जाती है।

(3) वैयक्तिक स्वतन्त्रता :– इसका आशय उस स्वतन्त्रता से है जो मनुष्य को एक मनुष्य होने के नाते प्राप्त होती है।

(4) राजनीतिक स्वतन्त्रता :– राजनीतिक स्वतन्त्रता का आशय है राज्य के राजनीतिक जीवन में सहभागिता।

1. मतदान करने और अपने प्रतिनिधियों को चुनने का अधिकार।
2. सार्वजनिक पदों पर निर्वाचित होने का अधिकार।
3. सार्वजनिक विषयों पर सूचना पाने का अधिकार।
4. सरकार की आलोचना का अधिकार।

(5) आर्थिक स्वतन्त्रता।

(6) नैतिक स्वतन्त्रता।

'अथवा'

उत्तर– समानता के प्रकार :–

(1) प्राकृतिक समानता :– प्राकृतिक दृष्टि से सभी मुनष्य समान है यह समानता मनुष्य की संरचनात्मक समानता के विचार पर आधारित है।

(2) वैधानिक समानता :– कानून की दृष्टि में सभी व्यक्ति समान हैं और सभी को कानून का समान संरक्षण प्राप्त है। प्रत्येक व्यक्ति का जीवन, स्वतन्त्रता और सम्पत्ति कानून के संरक्षण में सुरक्षित है।

(3) सामाजिक समानता :– समाज के सदस्य के रूप में प्रत्येक व्यक्ति बराबर है अर्थात जन्म, वंश, जाति, धर्म आदि के आधार पर किसी के साथ भेद नहीं किया जायेगा।

(4) आर्थिक समानता :– पारिश्रमिक में असमानता नहीं होना चाहिए। किसी का शोषण नहीं होना चाहिए। उत्पादन के साधनों पर सबका समान अधिकार होना चाहिए।

(5) राजनीति समानता :– राजनीतिक समानता का अभिप्राय है बिना किसी भेदभाव में समाज के सभी सदस्यों को शासन कार्य में भाग लेने का अवसर प्राप्त है।

उत्तर 21. भारत में मंत्रिपरिषद की शक्तियां एवं कार्य :–

(1) राष्ट्रीय नीति निर्धारण करना :– मंत्रिपरिषद का महत्वपूर्ण कार्य राष्ट्रीय नीति निर्धारण करना है। जिससे शासन सुचारू रूप से चल सके।

(2) कानून निर्माण संबंधी कार्य :– संसद में जो भी विधेयक प्रस्तुत किये जाते है उसका स्वरूप संबंधित विभाग के मंत्री के निर्देशन में विभाग के उच्चाधिकारी तैयार करते हैं।

(3) वित्तयी शक्तियाँ : – देश का बजट बनाना मंत्रिमण्डल के वित्त विभाग का कार्य है। राष्ट्रपति द्वारा वित्त विभाग आयोग का गठन भी मंत्रिमण्डल की सलाह पर ही किया जाता है।

(4) विभागों के कार्यों में समन्वय स्थापित करना :– प्रशासन को कुशलतापूर्वक चलाने के लिए मंत्रिमण्डल ही जिम्मेदार होता है और भिन्न–भिन्न विभागों में सामंजस्य स्थापित करने के लिए विभागों में परस्पर विवाद मंत्रिमण्डल में रखे जाते हैं तथा मंत्रिमण्डल ही उसका निपटारा करता है।

'अथवा'

उत्तर– प्रधानमंत्री की शक्तियां एवं कार्य :–

(1) लोकसभा का नेता :– प्रधानमंत्री लोकसभा में बहुमत दल का नेता होता है और वही सरकार भी महत्वपूर्ण नीतियों की घोषणा करता है।

(2) मंत्रिपरिषद का गठन :– प्रधानमंत्री मंत्रिपरिषद का गठन करता है मंत्रियों की नियुक्ति करता है।

(3) मंत्रियों के विभागों का बँटवारा या परिवर्तन :– का कार्य भी प्रधानमंत्री ही करता है।

(4) मंत्रिपरिषद की बैठकों की अध्यक्षता :– प्रधानमंत्री मंत्रिपरिषद की बैठकों की अध्यक्षता करता है। मतभेद की स्थिति में बहुमत से निर्णय लिये जाते हैं।

(5) मंत्रिपरिषद तथा राष्ट्रपति के मध्य की कड़ी :– प्रधानमंत्री मंत्रिपरिषद की बात राष्ट्रपति तक पहुँचाता है तथा राष्ट्रपति की बात मंत्रिपरिषद तक पहुँचाता है।